प्लेसमेंट से पहले विद्यार्थियों की काउंसिलिंग व ट्रेनिंग

जागरण संवाददाता, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) अब इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए मेगा प्लेसमेंट कार्यक्रम आयोजित करेगा। इसका मकसद इंजीनियरिंग कॉलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बेहतर जॉब मिल सके। विद्यार्थियों की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल द्वारा काउंसिलिंग व ट्रेनिंग भी करवाई जाएगी। ताकि विद्यार्थियों को बेहतर जॉब मिल सके।

एकेटीयू के मीडिया इंचार्ज आशीष मिश्रा ने बताया कि बेहतर प्लेसमेंट के लिए इस बार हमने अभी से कमर कस ली है। आमतौर पर फरवरी में प्लेसमेंट होते हैं लेकिन हम इसके लिए अभी से ट्रेनिंग व काउंसिलिंग प्रोग्राम शुरू करेंगे। एक्सपर्ट को बुलाया जाएगा और वह विद्यार्थियों को बताएंगे कि किस तरह इंटरव्यू का सामना करें। वहीं सभी इंजीनियरिंग कॉलेजों से इसके बारे में डाटा मांगा जा रहा है कि बीटेक, बीफॉर्मा, बीआर्क सहित विभिन्न कोर्सेज में विद्यार्थियों की कितनी संख्या है। यही नहीं विद्यार्थियों के भीतर पढ़ाई के साथ-साथ और कौन-कौन सी प्रतिभाएं हैं उन्हें भी एक्सपर्ट के माध्यम से तराशा जाएगा। एकेटीयू के मीडिया इंचार्ज आशीष मिश्रा कहते हैं कि विभिन्न क्षेत्रों के एक्सपर्ट व काउंसलर विद्यार्थियों के लिए आयोजित प्रोग्राम में उन्हें टिप्स देंगे। जनवरी में ट्रेनिंग व काउंसिलिंग प्रोग्राम शुरू किया जाएगा।

मेगा प्लेसमेंट

- सभी इंजीनियरिंग कॉलेजों के विद्यार्थियों को प्लेसमेंट का मिलेगा मौका
- विद्यार्थियों की एक्सपर्ट करेंगे काउंसिलिंग और ट्रेनिंग देंगे, ताकि अच्छा हो प्लेसमेंट

एकेटीयू ने बदला कॉपियों का पैटर्न

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (20 Dec): अगले साल होने वाले सेमेस्टर एग्जाम में यूनिवर्सिटी की ओर से स्टूडेंट्स को नए डिजाइन की हॉरिजेंटल आंसरशीट दी जाएगी. अभी तक एकेटीयू सेमेस्टर एग्जाम में वर्टिकल शेप की कॉपियां देती आ रही है. इस बार कॉपियों को पोट्रेट शेप नाम दिया है. अभी तक इन्हें लैंडस्केप फॉर्म के नाम से जाना जाता है. पेपर बचाने और स्टूडेंट्स को सहूलियत के बदलाव किए गए हैं. हॉरिजेंटल पेज होने से स्टूडेंट्स एक ही पेज पर अपना इक्वेशन सॉल्व कर सकते हैं. इसका फायदा स्टूडेंट्स और मूल्यांकन के समय प्रोफेसर्स को भी होगा, क्योंकि बीटेक के एग्जाम में लंबी इक्वेशंस आते है. एक सवाल को हल करने के दौरान स्टूडेंट्स को पेज पलट कर कई बार देखना पड़ता है. इससे न सिर्फ स्टूडेंट्स का समय बर्बाद होता है बल्कि यूनिवर्सिटी का कागज भी. इस संबंध परीक्षा नियंत्रक प्रो बीएन मिश्रा ने स्टूडेंट्स से राय ली. उन्होंने बताया कि जितने भी स्टूडेंट से पूछा गया सभी ने नए शेप की कॉपियों का समर्थन किया. इसके बाद हमने टेंडर जारी कर नई कॉपियां छपवा ली हैं.

32 पेज की होगी आंसरशीट

प्रो. बीएन मिश्रा ने बताया कि अभी तक एग्जाम में 40 पेज की कॉपियां दी जाती हैं, लेकिन अब पेजों की संख्या 32 कर दी गई है. मूल्यांकन के वक्त देखा गया है कि स्टूडेंट्स आधी कॉपियों के पेज यूज ही नहीं करते थे. ऐसे में पेज काफी बर्बाद होता था. जिसे कॉपियां वेस्ट होने के साथ ही यूनिवर्सिटी के राजस्व का भी नुकसान होता है. पेज कम होने के यूनिवर्सिटी को हर साल हजारों रुपये की बचत होगी.

रिवैल्युएशन के लिए 100 आवेदन

एकेटीयू के कैरी ओवर एग्जाम में फेल होने वाले 100 स्टूडेंट्स ने कॉपियों के पुनः मूल्यांकन के लिए शनिवार तक आवेदन किया है. एकेटीयू ने शनिवार को शाम पांच बजे तक आवेदन मांगे थे. यूनिवर्सिटी प्रशासन का दावा है कि चैलेंज पुर्नमूल्यांकन का काम 31 दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा. स्पेशल कैरी ओवर परीक्षा में अधिक संख्या में छात्र फेल हुए थे. इसको लेकर स्टूडेंट्स ने पहले हंगामा किया था. उसके बाद न्यायालय की शरण में गए. न्यायालय ने चैलेंज रिवैल्युएशन कराने का आदेश दिया था. एकेटीयू ने शनिवार शाम पांच बजे तक अपने-अपने संस्थानों के माध्यम से पुर्नमूल्यांकन के लिए आवेदन मांगा था.